आचार्य (संस्कृत साहित्य)

द्विवर्षीय पूर्णकालिक कार्यक्रम

(प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ सेमेस्टर)

नियम, परिनियम एवं पाठ्यक्रम

प्राच्य संस्कृत विभाग

कला संकाय

लखनऊ विश्वविद्यालय

लखनऊ–226007

आचार्य (संस्कृत साहित्य) पाठ्यक्रम

सेमेस्टर पद्धति को लागू करने की दृष्टि से आचार्य (संस्कृत–साहित्य) के प्रमुख पाठ्यक्रम को सी0बी0सी0एस0 पद्धति के अनुसार परिवर्तित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम द्विवर्षीय पूर्णकालिक कार्यक्रम है। प्रत्येक वर्ष में दो सेमेस्टर होंगे। जिन्हें प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के रूप में जाना जायेगा। प्रत्येक सेमेस्टर 24–24 क्रेडिट का होगा। पूरे कार्यक्रम को 96 क्रेडिट प्रदान किये जायेंगे। प्रत्येक सेमेस्टर में 6 (Six) प्रश्नपत्र होंगे। पाठ्यक्रम में Core-Course अर्थात् मुख्य विषय के अतिरिक्त GE, DSE, Value Edded एवं Skit Enhancement के कोर्स भी सम्मिलित किये जा रहे हैं। जिनका विस्तृत विवरण आगे दिया जायेगा।

Programme Out Come

आचार्य (संस्कृत साहित्य) कार्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी की योग्यता:–

- इस कार्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी संस्कृत साहित्य की विविध विशेषताओं का ज्ञाता हो सकेगा।
- कार्यक्रम भारत के प्राचीन साहित्य एवं संस्कृति का परिचायक है। अतः विद्यार्थी भारतीय संस्कृति से पूर्ण परिचित हो सकेगा।
- समाज के विविध पक्षों का प्रबल पक्षधर है। इसके अध्ययन से विद्यार्थी सभी प्रकार के रिश्तों एवं व्यवहार को जानने में सक्षम होगा।
- पाठ्यक्रम संस्कृत के प्रमुख लक्षण ग्रन्थों का ज्ञान करायेगा।
- कार्यक्रम संस्कृत की सभी विधाओं यथा–उपन्यास, नाटक, नाटिका, महाकाव्य, लक्षण ग्रन्थ आदि का पूर्ण ज्ञान कराता है। अतः छात्र किसी भी क्षेत्र में अपनी विषय विशेषता प्राप्त कर सकता है।

Programme Specific Out Come

आचार्य (संस्कृत साहित्य) कार्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात् छात्र विविध क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर सकता है।

- छात्र प्रशासनिक सेवा में जा सकता है।
- शोधकार्य कर सकता है।
- शिक्षा के क्षेत्र में प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा सभी क्षेत्रों में अध्ययन–अध्यापन कर सकता है।
- सरकारी क्षेत्र में भी विविध रोजगारपरक है, यह कार्यक्रम।
- सेना में पौरोहित्य कार्य के लिये धर्मगुरु का पद सृजित है, इस पद हेतु भी वह अर्ह है।
- नाटक–नाटिका आदि के सूक्ष्म तत्वों को समझकर वह इस क्षेत्र में भी अपना भविष्य बना सकता है।
- वह समाज में पौरोहित्य कर्म भी करा सकता है।
- अनुवादक के रूप में भी वह अपना भविष्य सृजित कर सकता है।

आचार्य (II Sem)

Part	Semester	Course Code	Course Title	Credit	Internal Marks	External Marks
1	II	OSCC 05	काव्य प्रकाश 4–5 उल्लास	04	30	70
		OSCC 06	काव्य प्रकाश 9–10 उल्लास	04	30	70
		OSCC 07	शिवराजविजयम्	04	30	70
		OSCC 08	रत्नावली नाटिका	04	30	70
		OSCDSE 03 OSCDSE 04	विक्रमांकदेवचरितम् वाल्मीकि रामायण (कोई एक)	04	30	70
		OSGEC 03 OSGEC 04	धर्मशास्त्र संस्कृत नाट्य साहित्य का इतिहास (कोई एक)	04	30	70
			Total	24		

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

प्राच्य संस्कृत विभाग, पाठ्यक्रम विवरण

आचार्य द्वितीय सेमेस्टर
विषय संस्कृत साहित्य

(II Sem)

Course Code – OSCC05 – काव्य प्रकाश 4 से 5 उल्लास

Course Out Come – काव्य प्रकाश ग्रन्थ काव्य के विविध पक्षों को स्पष्ट करने वाला लक्षण ग्रन्थ है। साहित्य के विद्यार्थियों को इसका ज्ञान अवश्य होना चाहिए। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से वह काव्य के लक्षण, प्रयोजन आदि को समझ सकेगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम – Prescribed Course काव्य प्रकाश

अन्विति विभाजन – Unitwise Division

वर्ग – 1. काव्य प्रकाश चतुर्थ उल्लास रससूत्र व्याख्या तक

वर्ग – 2. काव्य प्रकाश चतुर्थ उल्लास रसभेद से अन्त तक

वर्ग – 3. काव्य प्रकाश पंचम् उल्लास 45वीं कारिका तक

वर्ग – 4. 46वीं कारिका से अन्त तक

वर्ग – 5. समीक्षा

संदर्भ ग्रन्थः–

1. **काव्य प्रकाश मम्मट** – डा0 सत्यव्रत सिंह
2. **काव्य प्रकाश मम्मट** – आचार्य विश्वेश्वर ज्ञान मण्डल लिमिटेड, वाराणसी।
3. **काव्य शास्त्र का इतिहास**

Course Code – OSCC06 – काव्य प्रकाश 9 से 10 उल्लास

Course Out Come – काव्य प्रकाश के अध्ययन से विद्यार्थी काव्य के सभी रस, छन्द, अलंकार, गुण, दोष आदि से परिचित हो पायेगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम – **Prescribed Course** काव्य प्रकाश :

अन्विति विभाजन – **(Unitwise Division)**

वर्ग – 1. नवम् उल्लास

वर्ग – 2. दशम उल्लास अनन्वय अलंकार तक

वर्ग – 3. उपमेययापमा अलंकार से भाविक अलंकार तक

वर्ग – 4. काव्यलिंग अलंकार से अन्त तक

वर्ग – 5. समीक्षा

संदर्भ ग्रन्थः–

1. **काव्य प्रकाश** – श्री निवास शास्त्री
2. **काव्य प्रकाश** – कविचन्द्र विश्वनाथ कृत विवर्णी टीका सहित, सुरेन्द्र नाथ खड्गडी
3. **काव्य प्रकाश मम्मट** – डा0 सत्यव्रत सिंह
4. **काव्य शास्त्र का इतिहास।**

Course Code – OSCC07 – शिवराजविजय

Course Out Come – शिवराजविजय संस्कृत साहित्य की एक उपन्यास विधा है। इसके अध्ययन से संस्कृत की एक नई विधा को जानने, समझने का अवसर प्राप्त होता है तथा यह उपन्यास एक ऐतिहासिक घटना पर आधारित है।

निर्धारित पाठ्यक्रम – **Prescribed Course** नैषधीयचरितम्

अन्विति विभाजन – **(Unitwise Division)**

वर्ग – 1. प्रथम विराम

वर्ग – 2. द्वितीय विराम

वर्ग – 3. तृतीय विराम

वर्ग – 4. ग्रन्थ समीक्षा

वर्ग – 5. ग्रन्थकार समीक्षा

संदर्भ ग्रन्थः–

1. शिवराजविजय–समीक्षात्मक चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
2. **संस्कृत साहित्य का इतिहास**–डा0 कपिल देव द्विवेदी।
3. **संस्कृत वाङ्गमय का इतिहास**–उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।

Course Code – OSCC08 – रत्नावली नाटिका

Course Out Come – रत्नावली नाटिका महाकवि श्रीहर्ष द्वारा रचित है जो कि नाट्य की एक विधा नाटिका के अन्तर्गत आती है तथा इसके सभी लक्षणों का ज्ञान कराती है। यह नाटिका एक ऐतिहासिक प्रेमकथा पर आधारित है।

निर्धारित पाठ्यक्रम – Prescribed Course रत्नावली नाटिका

अन्विति विभाजन – (Unitwise Division)

वर्ग – 1. रत्नावली प्रथम अंक

वर्ग – 2. रत्नावली द्वितीय अंक

वर्ग – 3. रत्नावली तृतीय अंक

वर्ग – 4. चतुर्थ अंक

वर्ग – 5. समीक्षा

संदर्भ ग्रन्थः–

1. **रत्नावली नाटिका** – चुन्नीलाल शुक्ल, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार मेरठ।
2. **रत्नावली नाटिका** – 'सुधा' – संस्कृत हिन्दी व्याख्या द्वयोपेता – पं0 परमेश्वरदीन पाण्डेय।
3. **दशरूपक** – पं0 भोला शंकर व्यास।

4. **दशरूपक** – डा0 रामजी उपाध्याय।

Course Code – OSDSE03 – विक्रमांकदेव चरितम् (प्रथम सर्ग)

Course Out Come – विक्रमांकदेव चरितम् आचार्य बिल्हणकृत महाकाव्य है, जो कि विविध छन्द, रस एवं अंलकारों से सुसाज्जित है। इसका अध्ययन सहृदयजनों के मन को आनन्द प्रदान करता है तथा शोध कार्य हेतु भी इसका अध्ययन सहायक होगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम – Prescribed Course विक्रमांकदेव चरितम्

अन्विति विभाजन – (Unitwise Division)

वर्ग – 1. महाकवि बिल्हण – व्यक्तित्व एवं कृतित्व

वर्ग – 2. व्याख्या – (श्लोक सं0–1 से 40 तक)

वर्ग – 3. व्याख्या – (श्लोक सं0–41 से 80 तक)

वर्ग – 4. व्याख्या – (श्लोक सं0–81 से समाप्ति तक)

वर्ग – 5. ग्रन्थ समीक्षा

संदर्भ ग्रन्थः–

1. विक्रमांकदेव **चरितम्** – श्री हर गोविन्द शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
2. **साहित्य दर्पण** – आचार्य विश्वनाथ, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
3. **संस्कृत सुकवि समीक्षा** – चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

Course Code – OSDSE04 – वाल्मीकि रामायण

Course Out Come – रामायण संस्कृत का आदि काव्य है, जो कि जगत् को संस्कृत काव्य का ज्ञान कराता है तथा समाज में व्याप्त सभी पक्षों को समाहित करता है। इसके अध्ययन से विद्यार्थी समाज के विविध आयामों का ज्ञान प्राप्त कर सकता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम – **Prescribed Course** वाल्मीकि रामायण

अन्विति विभाजन – **(Unitwise Division)**

वर्ग – 1. वाल्मीकि रामायण का परिचय।

वर्ग – 2. रामायण में वर्णित चरित।

वर्ग – 3. रामायण में वर्णित भौगोलिक स्थल।

वर्ग – 4. सुंदरकाण्ड के 15 एवं 16 अध्याय से व्याख्या।

वर्ग – 5. रामायण में वर्णित समाज का चित्रण।

संदर्भ ग्रन्थः–

1. **वाल्मीकि रामायण**–गीता प्रेस, गोरखपुर।
2. **संस्कृत साहित्य का इतिहास**–आचार्य बलदेव उपाध्याय
3. **संस्कृत साहित्य का** समीक्षात्मक **इतिहास**–आचार्य कपिलदेव द्विवेदी।
4. **संस्कृत सुकवि समीक्षा।**

Course Code – OSGEC 03 – धर्मशास्त्र

Course Out Come – धर्मशासत्र के अध्ययन से विद्यार्थी व्यावहारिक जीवन की समस्त विधाओं से अवगत हो सकेगा। इसके ज्ञान से वह समाज में पौरोहित्य कर्म द्वारा जीविकोपार्जन भी कर सकता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम – **Prescribed Course** मनुस्मृति – 1 से 3 अध्याय

अन्विति विभाजन – **(Unitwise Division)**

वर्ग – 1. धर्मशास्त्र का परिचय एवं प्रमुख ग्रन्थ

वर्ग – 2. मनुस्मृति अध्याय 1/1, 32, 33, 66, 67, 81, 88, 89, 90, 91, 104, 108 (व्याख्या)

वर्ग – 3. मनुस्मृति अध्याय 2/1, 6, 7, 22, 29, 33, 34, 35, 53, 56, 57, 58 (व्याख्या)

वर्ग – 4. मनुस्मृति अध्याय 3/1, 2, 4, 20, 27, 37, 46, 67, 77, 102, 106, 122, 138, 142 (व्याख्या)

वर्ग – 5. मनुस्मृति अध्याय 3/203, 206, 215, 223, 233, 276, 283, 284 (व्याख्या)

संदर्भ ग्रन्थः–

1. **मनुस्मृति** – डा0 राकेश शास्त्री – विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली।
2. **मनुस्मृति** – कुल्लूक भट्टकृत मन्वर्थ मुक्तावली (शिवराज आचार्य) वाराणसी।
3. **याज्ञवल्वय स्मृति** – आचाराध्याय (डा0 गंगासागर राय) वाराणसी।
4. **शशिबाला गौड़** – वाराणसी।
5. **पारस्कर गृहय सूत्र** – डा0 जगदीश चन्द्र मिश्रा वाराणसी।
6. **गौम धर्मसूत्र** – वाराणसी।
7. **आपस्तम्ब धर्मसूत्र** – उमेश मिश्र
8. आपस्तम्वीय **माध्याम पठन में** – डा0 प्रयाग नारायण मिश्र
9. **धर्मसिन्धू** – वशिष्ठ दत्त मिश्री
10. **धर्मशास्त्र का इतिहास** – पी0वी0 काणे

Course Code – OSGEC 04 – संस्कृत नाट्य साहित्य का इतिहास

Course Out Come – भरतमुनि के नाट्यशास्त्र का अध्ययन वर्तमान परिप्रेक्ष्य में नाट्य जगत में रूचि रखने वालों के लिए अत्यन्त सहायक है। यह नाट्य के सूक्ष्मातिसूक्ष्म तत्वों की विवेचना करता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम – **Prescribed Course** नाट्यशास्त्र (भरतमुनि)

अन्विति विभाजन – **(Unitwise Division)**

वर्ग – 1. नाट्य साहित्य का परिचय (उद्भव एवं विकास)

वर्ग – 2. आचार्य भरतमुनि का परिचय

वर्ग – 3. प्राचीन भारतीय नाट्यग्रन्थ

वर्ग – 4. विविध नाट्य विधाएँ

वर्ग – 5. समीक्षा

संदर्भ ग्रन्थः–

1. नाट्यशास्त्र – सम्पादक, बाबूलाल शुक्ल, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
2. नाट्यशास्त्र – सम्पादक बटुकनाथ शर्मा एवं पं0 बलदेव उपाध्याय, काशी संस्कृत सीरीज, वाराणसी।
3. **भरतमुनि का** नाट्यशास्त्र – वाराणसी।
4. **दशरूपक** – सम्पादक डा0 श्री निवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ।